उचित मूल्य दुकानों के लिए निर्देश जारी : दुर्ग। सचिव छ.ग.शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय रायपुर के आदेष के तारतम्य में शासन द्वारा नोवल कोरोना वायरस (ष्1द्वस्र–19) के संक्रमण की रोकथाम तथा जनस्वास्थ्य के सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से तथा उनकी सुविधा को रखते हुए छ.ग. सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 की कंडिका 15 के तहत एतद द्वारा जिले में संचालित शा.उ.मू. दुकानों के लिए दिनांक 05 अप्रैल 2020 तक के लिए आवश्यक निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश

बिलासपुर स्टेशन में फंसे झारखंड के 139 मजदूर अपने प्रांतों के लिए सकुशल रवाना

बिलासपुर। केरल से झारखंड जाने के लिए निकले मजदूर कल रात बिलासपुर स्टेशन पर आकर फंस गये क्योंकि आगे जाने के लिए कोई ट्रेन या बस थी। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को मिली। मुख्यमंत्री ने मानवीय संवेदना की पहल करते हुए जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि उनको भोजन व चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराते हुए सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाये। मुख्य मंत्री के निर्देश पर आज इन मजदूरों को बसों की व्यवस्था कर उनके घरों के लिए रवाना कर दिया गया है। स्टेशन पर असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा के मजदूर भी फंसे हुए थे उन्हें भी गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है।

एर्नाकुलम–बिलासपुर एक्सप्रेस से केरल में मजदूरी करने वाले 237 यात्री मजदूर बिलासपुर स्टेशन पर कल रात पहुंचे। आगे जाने के लिए उनकी व्यवस्था नहीं थी। सोशल मीडिया के जरिये मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के ध्यान में यह बात लाई गई। उन्होंने तत्काल जिला प्रशासन को इस सम्बन्ध में निर्देश दिया। उनके निर्देश पर यात्रियों से प्रशासन के अधिकारियों ने सम्पर्क किया। स्टेशन पर ही उनके भोजन और रुकने की व्यवस्था की गई और आवश्यकता अनुसार चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई गई। आज झारखंड के यात्रियों को सकुशल बसों में बिठाकर छत्तीसगढ़ की सीमावर्ती जिला बलरामपुर भेजा गया। यहां से झारखंड प्रशासन के अधिकारी उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचायेंगे। बसों में बैठने के बाद इन मजदूरों के चेहरे में राहत व प्रसन्नता दिखाई दी। यात्रियों ने इस व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का आभार माना और उन्हें धन्यवाद दिया।

झारखंड के सिमरेगा के संदीप बड़ाईक, थॉमस मिंज, कुल्लू, गढ़वा जिले के हेमन्त कुमार, दिनेश, पलामू जिले के खुर्शीद, तैहर अंसारी, मो. अंसारी, मुश्ताक अंसारी आदि के चेहरे पर बस पर बैठते ही संतोष का भाव था कि वे अब अपने घर तक सकुशल पहुंच जायेंगे। उन्होंने बताया कि उनके घर वाले बहुत परेशान हैं। कई लोगों की माता–बहनों का रो–रोकर बुरा हाल है। उन्होंने अपने परिजनों को सूचना दे ही है कि वे बिलासपुर से छत्तीसगढ़ शासन की व्यवस्था से अपने घरों के लिए रवाना हो गये हैं। इन यात्रियों को रास्ते के लिए भी भोजन का पैकेट दिया गया है।

इसी ट्रेन से बिलासपुर पहुंचे केरल से ही आये ओडिशा, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार के यात्रियों को भी उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है। अभी उन्हें रैन बसेरों में ठहराया गया है, जहां उनके रहने, खाने और चिकित्सा की पूरी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

कलेक्टर डॉ. संजय अलंग व पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत अग्रवाल के मार्गदर्शन में इन मजदूरों के लिए सारी व्यवस्था की गई और उन्हें गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

विदेश से लौटे 10 संदेही गायब, खोज रहा प्रशासन

बिलासपुर। कोरोना वायरस के खौफ के बीच 10 संदिग्ध मरीजों के गायब होने से जिले के अधिकारी सकते में आ गए हैं। ये सभी विदेश से यात्रा कर लौटे हैं। यदि उनमें से एक भी वायरस से पीड़ित मिला तो गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। ऐसे में उनकी खोज में पूरा जिला प्रशासन जुटा हुआ है।

डब्लूएचओ और भारत सरकार के मुताबिक कोरोना वायरस के संभावित मरीज वे भी हैं, जो विदेश यात्रा कर लौटे हैं। इसलिए एडवाइजरी के मुताबिक विदेश से पहुंचने वाले प्रत्येक व्यक्ति की जांच कर उन्हें 14 दिनों तक हॉस्पिटल आइसोलेशन या स्थिति के अनुसार होम आइसोलेशन के जरिए निगरानी में रखना है। जिले में एक से 22 मार्च तक की स्तिथि में 173 लोग विदेश से लौटे हैं।

उनमें से 163 लोगों को खोजकर उनकी जांच की गई है। साथ ही उन्हें आइसोलेट किया गया है। लेकिन, 10 संभावित मरीज वे हैं, जिनका अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी बीते तीन दिन से इन संदिहयों की तलाश कर रहे हैं। लेकिन, अब तक उनका कुछ भी पता नहीं चल पाया है। साफ है कि इन 10 में से यदि कोई एक भी कोरोना वायरस की चपेट में है तो वह और लोगों को भी संक्रमित कर सकता है, जिसके बेहद ही गंभीर परिणाम सामने आएंगे।

जानकारी देने की अपील : अफसरों ने विदेश से लौटने वालों से अपील की है कि वे स्वास्थ्य विभाग आकर इसकी जानकारी दें। ताकि उनकी जांच कर उन्हें सुरक्षित करने के साथ ही कोरोना वायरस को फैलने से रोका जा सके।

शासन ने दी है सूची, दबा रहे जानकारी : कोरोना वायरस को लेकर मामला संवेदनशील होने के बाद शासन ने हाल ही में विदेश यात्रा कर लौटे लोगों की खोज–खबर लेना शुरू किया।

कोरोना से लड़ने में जिला प्रशासन की अभिनव पहल

बलौदाबाजार। कोरोना वायरस से मुकाबला करने में तरल सेनिटाईजर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हाथ में इसके लेपन से वायरस का संक्रमण कुछ समय के लिए रूक जाता है।कोरोना हमले के बाद इसकी अत्यधिक मांग होने की वजह से अस्पतालों में इसकी आपूर्ति बाधित हुई थी।आर्डर के उपरांत भी इसकी आपूर्ति नहीं हो पा रही थी। इस कठिनाई का हल जिला प्रशासन के प्रयासों से निकाल लिया गया है। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल ने स्पिरिट के जरिये सेनिटाईजर बनाने के लिए जिला अस्पताल को लाईसेंस प्रदान कर दिया है। संभवत: बलौदाबाजार राज्य में प्रथम जिला है जिसने सेनेटाईजर की समस्या का तोड़ निकाल लिया है। लाईसेंस मिलने के बाद जिला अस्पताल में स्पिरिट से सेनिटाईजर बनाने का काम शुरू कर दिया गया हैं। प्रथम खेप के रूप में लगभग सवा 4 सौ लीटर तरल सेनिटाईजर तैयार की गई है। अपने इस्तेमाल के बाद इसे पुलिस विभाग, जेल सहित अन्य जरूरतमंद विभागों को भी बेचा जा रहा है। कुछ महिला स्व सहायता समूह से भी इसे बेचने को लेकर समझौता हुआ है। वे जिला अस्पताल से इसे खरीद कर जरूरतमंद लोगों को बेचेंगी। इससे उनकी भी अतिरिक्त आमदनी का रास्ता खुल गया है। इस प्रकार यह सेनिटाईजर आपात स्थिति में जरूरत को पूरी करने के साथ ही महिला समूहों की अतिरिक्त आमदनी का बढ़िया जरिया बन गया है।

जिला अस्पताल में तैयार किया गया सेनिटाईजर : जिला अस्पताल में कल शाम सेनिटाईजर तैयार किया गया। दो सौ लीटर स्पिरिट से लगभग सवा 4 सौ लीटर सेनिटाईजर बनाया गया। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल एवं एसपी नीतु कमल स्वयं इस दौरान मौजूद थे।

कोरोना वायरस, संदेही से दूर रहने की सख्त हिदायत

दुर्ग। कोरोना वायरस (कोविड–19) एक संक्रामक बीमारी है। इस बीमारी से भारत समेत पूरे विश्व के देशों के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है।स्वास्थ्य की दृष्टि से यह तथ्य परिलक्षित है कि कोरोना वायरस (कोविड–19) के सम्पर्क से पीड़ित, संदेही से दूर रहने की सख्त हिदायत है। छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा यह निर्देशित किया गया है कि इससे बचने के सभी संभावित उपाय अमल में लाया जाए। अत: कोविड–19 के संभाव्य प्रसार को देखते हुए इसके प्रसार रोकने के लिए कड़े सामाजिक अलगाव के उपयोग को अपनाना उचित एवं आवश्यक हो गया है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी पत्र क्रमांक एफ 1–26/2020/17–1, दिनांक13.3.2020 के अंतर्गत तद्संबंध में आदेश प्रसारित किए गए हैं।

महामारी रोग अधिनियम, 1897 के संदर्भ में शासन द्वारा जारी पत्र क्रमांक एफ 1–26/2020/17–1, दिनांक 13.3.2020 के अंतर्गत दिए गए शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला दुर्ग के समस्त सीमा क्षेत्र के अंतर्गत संक्रमण से बचाव एवं स्वास्थ्यगत आपातकालीन स्थिति को नियंत्रण में रखने हेतु दिनांक 31.03.2020 रात्रि 12.00 बजे तक पूर्णतया तालाबंदी (लॉकडाउन) की जाती है एवं इस क्रम में दुर्ग जिले के समस्त सीमा क्षेत्र के अंतर्गत निम्नांकित गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से दिनांक 31.03.2020 रात्रि 12.00 बजे तक रोक लगाई जाती है।

यह भी आदेशित किया जाता है कि जिले के समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय, अशासकीय कार्यालयों को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाता है। सभी पदाधिकारी तथा कर्मी अपने घर से सरकारी कार्यो का निष्पादन करेंगे, परन्तु वे मुख्यालय का परित्याग नहीं करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर कार्यालय प्रमुख उन्हें कार्यालय में बुला सकेंगे।

जिले में समस्त सार्वजनिक परिवहन सेवायें, जिसमें निजी बसें, टैक्सी, ऑटो–रिक्शा, बसें, ई–रिक्शा इत्यादि भी शामिल हैं के परिचालन को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाता है। केवल इमरजेंसी मेडिकल सेवा वाले व्यक्तियों को वाहन द्वारा आवागमन की अनुमति रहेगी। ऐसी निजी वाहन जो इस आदेश के अंतर्गत आवश्यक वस्तुओं/सेवाओं के उत्पादन एवं उनके परिवहन का कार्य कर रहे हों, उन्हें भी अपवादिक स्थिति में तात्कालिक आवश्यकताओं को देखते हुए परिवहन की छूट रहेगी। आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं के आवागमन को छोड़कर जिले के सभी सीमाओं को एतद् द्वारा सील किया जाता है। किसी भी माध्यम (सड़क, रेल एवं अन्य माध्यम) से जिले में बाहरी लोगों के आवागमन को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया जाता है। अन्तर जिला बस के परिवहन को भी तत्काल प्रभाव से बंद किया जाता है। दुर्ग जिले में निवासरत नागरिकों को भी जिले के सीमा से बाहर जाने पर प्रतिबंधित किया जाता है।

कॉरन्टाइन सेंटर में नि :शुल्क उपलब्ध कराई जा रहीं सब्जियां

धमतरी। कोरोना वायरस कोविद–19 की रोकथाम तथा इससे बचाव के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिले में युद्ध स्तर पर कवायद एवं कार्य किए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में जिले के महिला स्वसहायता समूह भी अपना सक्रिय योगदान दे रहे हैं। समूह की महिलाओं के द्वारा स्वयं की बाड़ी में जैविक तरीके से उत्पादित की गई सब्जियों की आपूर्ति जिले के कॉरन्टाइन सेंटर में मुहैया कराई जा रही है। जनपद पंचायत धमतरी के सी.ई.ओ. श्री अमित कुमार दुबे ने बताया कि कलेक्टर श्री रजत बंसल के निर्देश पर जिला पंचायत की सी.ई.ओ. श्रीमती नम्रता गांधी के मार्गदर्शन में विदेशों से यात्रा के उपरांत लौटकर आने वाले नागरिकों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए कलेक्टोरेट के समीप स्थित लाइवलीहुड कॉलेज में स्थापित किए गए कॉरन्टाइन सेंटर में शिफ्ट किया गया है, जहां पर विभिन्न विभागों के समन्वय से खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।

श्रमिकों से भरी पिकअप पलटी, एक की मौत, 6 गम्भीर

लखनपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत लोसंगी के आश्रित ग्राम पंडरीपानी निवासी बत्तीस साय पंडो पिता आलम साय पंडो ढलाई कार्य करने 40 मजदूरों के साथ पिकअप से उदयपुर जा रहा था। माा ग्राम के एक मोड़ में वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। पिकअप में सवार बत्तीस साय की मौत घटनास्थल पर हो गई। शेष घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां से 6 गम्भीर मजदूरों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रिफर किया गया है। शेष घायलों का उपचार लखनपुर में चल रहा है।